

153

जुलाई-१०३९१३२५७

न्यायालय अमान राजरव मण्डल ग्वालियर, कम्प. भोपाल  
निग. ३१२/१५२/११७

श्री एम.ए. ठाकुर  
ए.एस.के. ११५  
२५.१.१७  
५१३५

बंटी प्रसाद - - - - - निगरानीकर्ता

विजयदत्त  
सुनील विजय जैन - - - - - उत्त निगरानीकर्ता

आवेदनपत्र अंतर्गत आदेश ७ नियम ७ व्य. प्र. सं.


निगरानीकर्ता निम्न निवेदन प्रस्तुत करता है: -

1. यह कि उपरोक्त प्रकार माननीय न्यायालय में ग्राह्यता के रूप तक हेतु नियत था।
2. यह कि आवेदक के अधिष्ठाता श्री एम. एल. ठाकुर रास्ते में आते समय जाम लगने के कारण माननीय न्यायालय में आवाज लगने पर उपस्थित नहीं हो सके इस कारण से माननीय न्यायालय के द्वारा प्रकार को स्वीकार कर दिया गया है।
3. यह कि, जैसे ही १:३० मि. पर न्यायालय में उपस्थित हुए तो मासूम पता कि प्रकार अदम पेशी में स्थापित पड़ा है।

अतः माननीय न्यायालय से उर्ध्वना है कि प्रकार को पुनः नम्बर पर स्थित जाने की कृपा करें एवं आवेदन स्वीकार किया जावे जो न्यायक्षेत्र में होगा।

भोपाल

दिनांक: - २५/०५/२०१७

आवेदक  
द्वारा   
अधिवक्ता

Reso 9039-PB-2/17 (भोजपुर)

25.1.2017

*[Handwritten signature]*

आवेदन की ओर से श्री एम.एस.एस.  
डाक्टर अभिभाषक अपाधिकृत। तर्क एवं  
गंभीर अनुपाधिकार का कारण समाधान-  
कारक होने से मूल प्रकरण पुनर्स्थापित  
किया जाता है। इस प्रकरण में कोई  
कार्यवाही शेष नहीं होने से समाप्त किया जाता है।

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*  
अध्यापक

[पाठ्य लेखिका]